डेली कॉलेज, जूनियर स्कूल

कक्षा V C

हिंदी सामूहिक कविता पाठ – 2018-19

झर-झर झरता झरना

झर-झर, झर-झर झरता झरना,
आलस कभी न करता झरना,
नहीं किसी से डरता झरना,
प्यास सभी की हरता झरना।

थककर कभी न सोता झरना,
साहस खूब सँजोता झरना,
कभी न देखा रोता झरना,
पग-पग पर खुश होता झरना।

गीत प्रेम के गाता झरना,
अपनी खुशी लुटाता झरना,
तिनकों को बहलाता झरना,
पर्वत को नहलाता झरना।

सूने में भी बहता झरना,
भला-बुरा सब सहता झरना,
मन से निर्मल रहता झरना,
कड़वी बात न कहता झरना।

जंगल का दरपन है झरना,
नदियों का बचपन है झरना,
अपने आप मगन है झरना,
धरती की धड़कन है झरना।

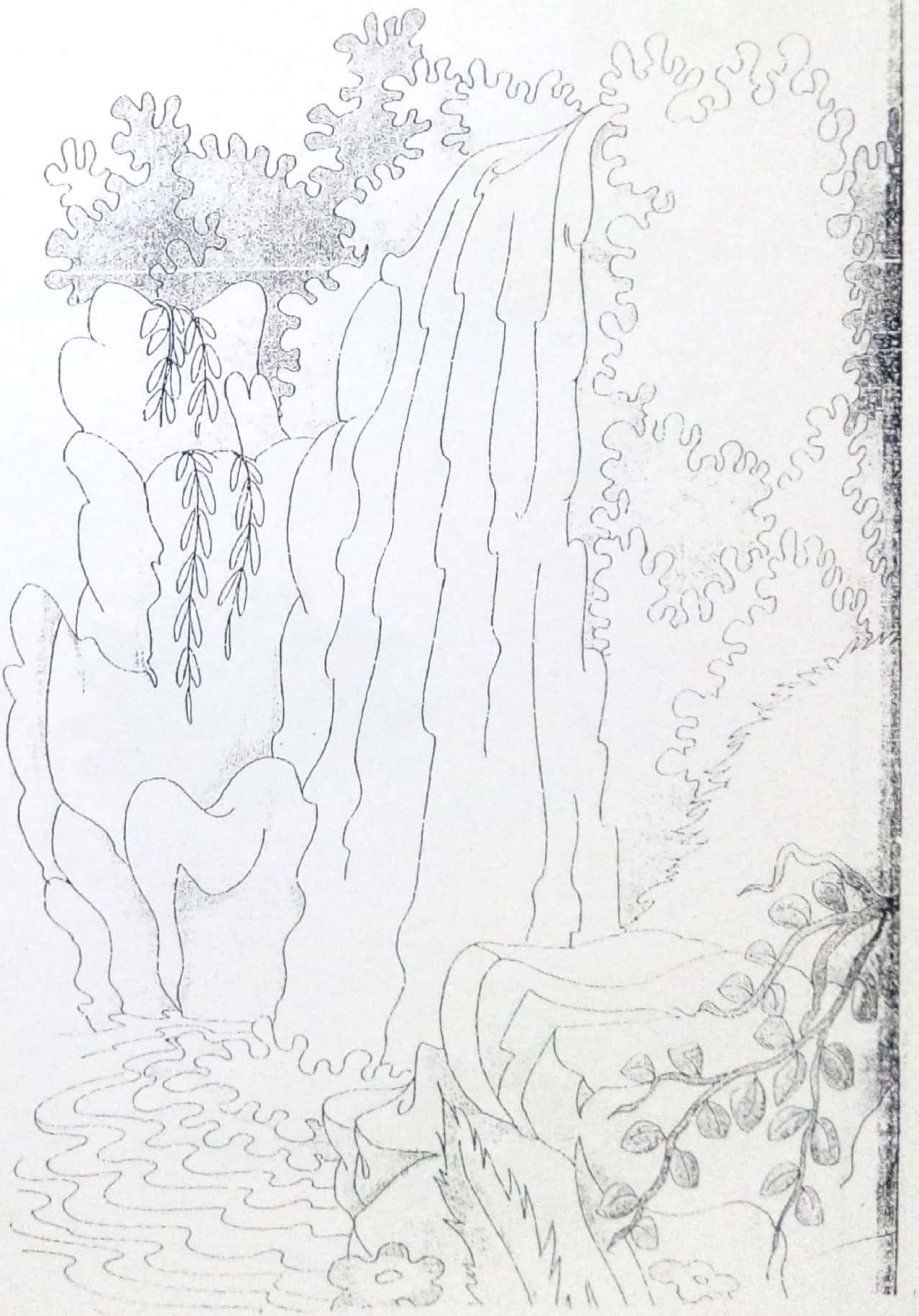

Scanned by CamScanner